Vol. 15, Special Issue: 1, October 2026
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में सामुदायिक सेवा अधिगम और नागरिक उत्तरदायित्व

डॉ. वाणी तिवारी
प्राचार्य
उत्कर्ष शिक्षा महाविद्यालय
जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, पिन कोड 495668

सारांश— **सामुदायिक सेवा अधिगम उच्च शिक्षा की ऐसी शिक्षण पद्धति है जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित ज्ञान, समुदाय की वास्तविक आवश्यकताओं और अनुभवों पर व्यवस्थित चिंतन को एकीकृत किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सामाजिक गतिविधियों में सम्मिलित करने के साथ सार्वजनिक समस्याओं की समझ, सहयोग और उत्तरदायी सहभागिता विकसित करना है। प्रस्तुत अध्ययन महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में सामुदायिक सेवा अधिगम और नागरिक उत्तरदायित्व के संबंध का आलोचनात्मक साहित्य विश्लेषण करता है। अध्ययन में 12 सत्यापित प्रकाशनों के आधार पर अनुभवात्मक अधिगम, नागरिक सहभागिता, समुदाय के साथ साझेदारी तथा मूल्यांकन की समीक्षा की गई है। सांख्यिकीय विवरण प्रकाशित अध्ययनों से लिए गए हैं; कोई प्राथमिक सर्वेक्षण नहीं किया गया है। उपलब्ध साक्ष्य सेवा अधिगम के साथ नागरिक सहभागिता, सामाजिक समस्याओं की समझ और अन्य शैक्षिक परिणामों में सकारात्मक संबंध दर्शाते हैं। हालांकि कार्यक्रमों की विविधता, स्वचयन, स्व-रिपोर्ट और अलग-अलग मापन उपकरण कारणात्मक निष्कर्षों को सीमित करते हैं। समीक्षा से निष्पन्न होता है कि नागरिक उत्तरदायित्व का मूल्यांकन केवल सेवा के घंटों या सकारात्मक अभिवृत्तियों से नहीं किया जाना चाहिए। समुदाय की भूमिका, विद्यार्थियों के व्यवहार, आलोचनात्मक चिंतन और परियोजना की उपयोगिता को भी शामिल करना आवश्यक है। अध्ययन पाठ्यक्रम से जुड़े, पारस्परिक सम्मान पर आधारित और बहुविध मूल्यांकन वाले सेवा अधिगम कार्यक्रमों की अनुशंसा करता है।**

मुख्य शब्द— **सामुदायिक सेवा अधिगम, नागरिक उत्तरदायित्व, महाविद्यालयीन विद्यार्थी, नागरिक सहभागिता, अनुभवात्मक अधिगम, आलोचनात्मक चिंतन**

प्रस्तावना

उच्च शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान और रोजगार संबंधी क्षमताओं के विकास के साथ विद्यार्थियों को सार्वजनिक जीवन में उत्तरदायी भूमिका निभाने के लिए तैयार करना भी है। महाविद्यालयीन विद्यार्थी सामाजिक विविधता, संसाधनों के असमान वितरण, पर्यावरणीय समस्याओं और सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित प्रश्नों का सामना करते हैं। इन विषयों का केवल सैद्धांतिक अध्ययन उनकी जटिलता समझने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता।

सामुदायिक सेवा अधिगम कक्षा और समुदाय के बीच शैक्षिक संबंध स्थापित करता है। इसमें विद्यार्थी किसी वास्तविक आवश्यकता से जुड़ी गतिविधि में भाग लेते हैं और अपने

अनुभवों का पाठ्यक्रम की अवधारणाओं के आधार पर विश्लेषण करते हैं। गतिविधि की शैक्षिक उपयोगिता इस बात पर निर्भर करती है कि अनुभव को समझने, प्रश्न करने और पुनर्विचार करने के अवसर कितने व्यवस्थित हैं।

नागरिक उत्तरदायित्व का अर्थ केवल सहायता करने की इच्छा नहीं है। इसमें सार्वजनिक समस्याओं के प्रति जागरूकता, दूसरों के अधिकारों का सम्मान, सामूहिक निर्णय में सहभागिता और अपने कार्यों के परिणामों के प्रति जवाबदेही भी शामिल है। इसीलिए सेवा अधिगम और नागरिक उत्तरदायित्व के संबंध का अध्ययन करते समय अभिवृत्ति, व्यवहार और सामाजिक समझ के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक है।

अध्ययन की आवश्यकता और महत्व

महाविद्यालयों में सामुदायिक गतिविधियों की उपलब्धि प्रायः उपस्थिति, आयोजन संख्या और सेवा अवधि से दर्शाई जाती है। ये विवरण कार्यक्रम के संचालन की जानकारी देते हैं, लेकिन उनसे यह स्पष्ट नहीं होता कि विद्यार्थियों की समझ या व्यवहार में क्या परिवर्तन आया। किसी गतिविधि

Vol. 15, Special Issue: 1, October 2026
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

में उपस्थित होना और समुदाय के प्रति उत्तरदायी दृष्टिकोण विकसित करना अलग परिणाम हैं।

इसी प्रकार समुदाय की उपयोगिता को केवल विद्यार्थियों के अनुभव से निर्धारित करना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थी किसी परियोजना को सफल मान सकते हैं, जबकि समुदाय उसे अपनी प्राथमिकता से असंबद्ध समझ सकता है। अतः अध्ययन का महत्व सेवा अधिगम को आयोजन-केंद्रित गतिविधि से आगे बढ़ाकर शैक्षिक तथा सामुदायिक साझेदारी की प्रक्रिया के रूप में समझने में है। यह दृष्टिकोण कार्यक्रम निर्माण, पर्यवेक्षण और मूल्यांकन को अधिक स्पष्ट आधार प्रदान करता है।

अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन का उद्देश्य सामुदायिक सेवा अधिगम और नागरिक उत्तरदायित्व की अवधारणाओं को स्पष्ट करना, उनके संबंध का सैद्धांतिक आधार समझना तथा प्रासंगिक प्रकाशित निष्कर्षों का मूल्यांकन करना है। इसके अतिरिक्त अध्ययन कार्यक्रम की गुणवत्ता, चिंतन की भूमिका और नागरिक उत्तरदायित्व के मापन के लिए उपयुक्त दिशाएँ प्रस्तुत करता है।

अनुसंधान प्रश्न

अध्ययन तीन प्रश्नों पर केंद्रित है। सामुदायिक सेवा अधिगम नागरिक उत्तरदायित्व से किन प्रक्रियाओं द्वारा संबंधित हो सकता है? उपलब्ध अनुभवजन्य अध्ययन इस संबंध के बारे में क्या प्रमाण और सीमाएँ प्रस्तुत करते हैं? महाविद्यालयीन स्तर पर सेवा अधिगम का संचालन तथा मूल्यांकन किस प्रकार किया जाए कि विद्यार्थी और समुदाय, दोनों के अनुभवों को पर्याप्त स्थान मिले?

अवधारणात्मक एवं सैद्धांतिक आधार

सामुदायिक सेवा अधिगम



Bringle और Hatcher के अनुसार सेवा अधिगम में संगठित सामुदायिक सेवा को पाठ्यक्रम तथा चिंतन से जोड़ा जाता है। समुदाय की पहचानी गई आवश्यकता, स्पष्ट अधिगम उद्देश्य और अनुभव का शैक्षिक विश्लेषण इसकी केंद्रीय विशेषताएँ हैं। इस परिभाषा के आधार पर प्रत्येक स्वयंसेवी गतिविधि स्वतः सेवा अधिगम नहीं बन जाती।

उदाहरणतः डिजिटल सहायता गतिविधि में विद्यार्थियों का तकनीकी सहयोग उपयोगी हो सकता है। उसे सेवा अधिगम का स्वरूप तब मिलेगा जब गतिविधि समुदाय की सहमति से निर्धारित हो, पाठ्यक्रम से संबद्ध हो और विद्यार्थी पहुँच, भाषा तथा उपयोगकर्ता की स्वायत्तता जैसे प्रश्नों का विश्लेषण करें।

नागरिक उत्तरदायित्व

नागरिक उत्तरदायित्व को सार्वजनिक हित के प्रति विश्वास, सामाजिक समस्याओं की समझ और उत्तरदायी व्यवहार के संयुक्त रूप में समझा जा सकता है। इसमें सहयोग, संवाद, सामुदायिक प्रतिबद्धता और सामाजिक न्याय के प्रश्नों पर विचार शामिल हैं।

Westheimer और Kahne ने नागरिकता की तीन अवधारणाएँ प्रस्तुत कीं: व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी, सहभागितापरक और न्यायोन्मुख नागरिक। उनका विश्लेषण स्पष्ट करता है कि व्यक्तिगत सहायता, सामूहिक संगठन और समस्याओं के संरचनात्मक कारणों की जाँच अलग शैक्षिक उद्देश्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अनुभवात्मक अधिगम

Kolb का अनुभवात्मक अधिगम दृष्टिकोण अनुभव, चिंतन, अवधारणात्मक समझ और नए प्रयोग के संबंध पर बल देता है। सेवा अधिगम के लिए इसकी प्रासंगिकता यह है कि गतिविधि के बाद विद्यार्थी अनुभव को समझें और आगे की कार्रवाई में उसका उपयोग करें। केवल अनुभव की उपलब्धता अधिगम की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं करती।

आलोचनात्मक एवं पारस्परिक दृष्टिकोण

Mitchell सेवा अधिगम में सामाजिक परिवर्तन, शक्ति संबंधों और प्रामाणिक संबंधों की भूमिका रेखांकित करती हैं। इस दृष्टिकोण में समुदाय को सहायता प्राप्त करने वाला निष्क्रिय समूह नहीं माना जाता। समुदाय के सदस्य समस्या की पहचान, निर्णय और मूल्यांकन में भागीदार होते हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी धारणाओं तथा सामाजिक स्थिति पर विचार करने का अवसर मिल सकता है।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

Vol. 15, Special Issue: 1, October 2026
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

पाठ्यक्रम और अनुभव का एकीकरण

Eyler और Giles ने सेवा अधिगम में शैक्षिक अनुभवों तथा महाविद्यालयीन अधिगम के संबंध की पड़ताल की। उनका कार्य इस विषय को समझने का महत्वपूर्ण आधार है कि सेवा के अनुभवों से बौद्धिक और सामाजिक अधिगम कैसे जुड़ता है। इससे कार्यक्रम का विश्लेषण गतिविधि की प्रकृति और अनुभव की शैक्षिक व्याख्या, दोनों स्तरों पर करने की आवश्यकता सामने आती है।

Astin और सहयोगियों की रिपोर्ट ने महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में सेवा अधिगम तथा सामुदायिक सेवा के संज्ञानात्मक और भावात्मक परिणामों की तुलना की। इसमें अनुदैर्ध्य तथा गुणात्मक शोध सम्मिलित थे। यह अध्ययन साधारण सहभागिता और पाठ्यक्रम से जुड़ी सेवा को अलग-अलग समझने की उपयोगिता दर्शाता है।

संकलित अनुभवजन्य साक्ष्य

Conway, Amel और Gerwien का मेटा-विश्लेषण सेवा अधिगम के अकादमिक, व्यक्तिगत, सामाजिक और नागरिकता संबंधी परिणामों की समीक्षा करता है। अनेक परिणाम क्षेत्रों को साथ देखने से स्पष्ट होता है कि नागरिक उत्तरदायित्व को केवल शैक्षणिक उपलब्धि के आधार पर नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही, अलग अभिकल्पों और गतिविधियों वाले अध्ययनों की तुलना सावधानी से करनी होती है।

Celio, Durlak और Dymnicki ने 62 अध्ययनों और 11,837 विद्यार्थियों का मेटा-विश्लेषण किया। इसमें विभिन्न शैक्षिक स्तर शामिल थे। नागरिक सहभागिता का सकारात्मक औसत प्रभाव मिला, लेकिन उसका समग्र अनुमान केवल महाविद्यालयीन विद्यार्थियों का परिणाम नहीं है। महाविद्यालय स्तर का अलग संयुक्त परिणाम भी विभिन्न परिणाम क्षेत्रों का औसत है।

Yorio और Ye ने उच्च शिक्षा में सेवा अधिगम के सामाजिक, व्यक्तिगत और संज्ञानात्मक परिणामों की समीक्षा की। सामाजिक समस्याओं की समझ, व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि और संज्ञानात्मक विकास में सकारात्मक प्रभाव अनुमान मिले। ये परिणाम नागरिक उत्तरदायित्व की संभावित पृष्ठभूमि समझने में उपयोगी हैं, किंतु इन्हें प्रत्यक्ष नागरिक व्यवहार का समानार्थी नहीं माना जा सकता।

चिंतन और विद्यार्थी अनुभव

Ash और Clayton ने अनुभव-आधारित शिक्षण में आलोचनात्मक चिंतन को अधिगम उत्पन्न करने, गहरा करने और उसका प्रमाण प्रस्तुत करने से जोड़ा। उनके अनुसार चिंतन को स्पष्ट अधिगम उद्देश्यों और मूल्यांकन से संबद्ध करना आवश्यक है। सेवा अधिगम में केवल दैनिक गतिविधियों का विवरण लिखना आलोचनात्मक चिंतन का पर्याप्त प्रमाण नहीं होगा।

Brammer और Morton के अध्ययन में विद्यार्थियों की चिंतनात्मक टिप्पणियों से अनुसंधान, सहयोग, प्रयास, प्रतिबद्धता और उत्तरदायित्व का महत्व सामने आया। उनका कार्य विद्यार्थी अनुभवों की व्याख्या में उपयोगी है, लेकिन गुणात्मक निष्कर्षों से परिवर्तन का सार्वभौमिक परिमाण निर्धारित नहीं किया जा सकता।

नागरिक सहभागिता का मापन

Doolittle और Faul ने नागरिक सहभागिता मापनी में अभिवृत्ति तथा व्यवहार को अलग आयामों के रूप में विकसित किया। यह विभाजन अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि समुदाय के प्रति सकारात्मक विचार और नियमित सहभागिता एक ही बात नहीं हैं। मूल मापनी का नए भाषाई तथा सांस्कृतिक संदर्भ में उपयोग करने से पहले स्थानीय परीक्षण आवश्यक होगा।

अनुसंधान पद्धति

अध्ययन का अभिकल्प

प्रस्तुत अध्ययन लक्षित साहित्य खोज पर आधारित आलोचनात्मक कथात्मक समीक्षा है। विश्लेषण की इकाई प्रकाशित लेख, पुस्तक और संस्थागत शोध रिपोर्ट हैं। इसमें प्राथमिक प्रतिभागियों से डेटा एकत्र नहीं किया गया तथा इसे संपूर्ण व्यवस्थित समीक्षा या नए मेटा-विश्लेषण का दर्जा नहीं दिया गया है।

स्रोत चयन

साहित्य खोज में सेवा अधिगम, महाविद्यालयीन विद्यार्थी, नागरिक सहभागिता, नागरिक उत्तरदायित्व, सामुदायिक साझेदारी और आलोचनात्मक चिंतन से संबंधित शब्दों का उपयोग किया गया। प्रकाशन विवरण प्रकाशक पृष्ठों, विश्वविद्यालय अभिलेखों और शैक्षिक स्रोतों से सत्यापित किए गए।

Vol. 15, Special Issue: 1, October 2026
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

चयनित 12 प्रकाशनों में अवधारणात्मक आधार, प्रत्यक्ष अनुभवजन्य अध्ययन, संकलित साक्ष्य और मापन संबंधी शोध शामिल हैं। ऐसे प्रकाशनों को प्राथमिकता दी गई जिनसे अवधारणा, परिणाम या पद्धतिगत सीमा का स्पष्ट विश्लेषण संभव था।

विश्लेषण प्रक्रिया

प्रत्येक स्रोत से अध्ययन का संदर्भ, उद्देश्य, अभिकल्प, परिणाम और सीमाएँ दर्ज की गईं। सामग्री को पाठ्यक्रम संबंध, सामुदायिक सहभागिता, चिंतन, नागरिक परिणाम और मूल्यांकन के विषयों में व्यवस्थित किया गया। अलग मेटा-विश्लेषणों में मूल अध्ययनों के दोहराव की संभावना के कारण उनके नमूने नहीं जोड़े गए।

प्रकाशित प्रभाव आकार और विश्वसनीयता गुणांक मूल संदर्भ में प्रस्तुत किए गए हैं। इस समीक्षा में नया सहसंबंध, प्रतिगमन, सार्थकता परीक्षण या समेकित प्रभाव नहीं निकाला गया।

परिणाम



सेवा अधिगम और नागरिक परिणाम

उपलब्ध संकलित साक्ष्य सकारात्मक संबंध का समर्थन करते हैं। Celio और सहयोगियों के नागरिक सहभागिता परिणाम तथा महाविद्यालयीन उपसमूह के संयुक्त परिणाम अलग अनुमान हैं; दोनों को एक ही परिणाम के रूप में नहीं पढ़ना चाहिए।

प्रकाशित विश्लेषण	अध्ययन संख्या	औसत प्रभाव आकार	95 प्रतिशत विश्वास अंतराल
नागरिक सहभागिता, विभिन्न शैक्षिक स्तर	28	0.27	0.16–0.38
महाविद्यालयीन उपसमूह, विभिन्न परिणामों का संयुक्त अनुमान	43	0.31	0.23–0.39

स्रोत: Celio और सहयोगी। प्रभाव आकार मानकीकृत अंतर हैं; 0.27 का अर्थ 27 प्रतिशत सुधार नहीं है।

सामाजिक और संज्ञानात्मक परिणाम

Yorio और Ye के परिणाम नागरिक उत्तरदायित्व से संबंधित अधिगम की व्यापकता दर्शाते हैं।

परिणाम क्षेत्र	प्रकाशित प्रभाव अनुमान, δ
सामाजिक समस्याओं की समझ	0.34
व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि	0.28
संज्ञानात्मक विकास	0.52

स्रोत: Yorio और Ye। इन प्रभावों को मतदान, सार्वजनिक बैठकों में सहभागिता या दीर्घकालीन सेवा व्यवहार का प्रत्यक्ष अनुमान नहीं माना गया है।

मापन संबंधी निष्कर्ष

Doolittle और Faul के अध्ययन में 513 वितरित प्रश्नावलियों में से 354 प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं। अंतिम मापनी के विवरण निम्न हैं।

आयाम	मदों की संख्या	क्रोनबाख अल्फा
नागरिक अभिवृत्ति	8	0.91
नागरिक व्यवहार	6	0.85

स्रोत: Doolittle और Faul। ये मूल नमूने की आंतरिक संगति के गुणांक हैं; इन्हें किसी नए भारतीय नमूने के लिए स्वतः स्वीकार नहीं किया जा सकता।

समेकित विश्लेषण

साहित्य के आधार पर सेवा अधिगम की संभावित प्रक्रिया में वास्तविक समस्या से संपर्क, समुदाय के साथ संवाद, अनुभव का विश्लेषण और संशोधित कार्रवाई शामिल हैं। विद्यार्थी इन प्रक्रियाओं द्वारा अपने पूर्वानुमानों की समीक्षा कर सकता है। हालांकि वर्तमान समीक्षा में इस प्रक्रिया की मध्यस्थ भूमिका का सांख्यिकीय परीक्षण नहीं किया गया है।



चर्चा

प्रमुख निष्कर्ष यह है कि सेवा अधिगम नागरिक उत्तरदायित्व के विकास के लिए उपयोगी शैक्षिक अवसर प्रदान कर सकता है, लेकिन सहभागिता मात्र से अपेक्षित परिणाम सुनिश्चित नहीं होते। कार्यक्रम का उद्देश्य, समुदाय के साथ संबंध और अनुभव की व्याख्या महत्वपूर्ण हैं।

नागरिक उत्तरदायित्व को व्यवहार और अभिवृत्ति दोनों स्तरों पर समझना चाहिए। विद्यार्थी सामाजिक समस्या के प्रति संवेदनशील हो सकता है,

Vol. 15, Special Issue: 1, October 2026
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

फिर भी समय, परिवहन या संसाधनों की कमी के कारण नियमित सहभागिता नहीं कर पाए। ऐसे विद्यार्थी को केवल कम सेवा अवधि के आधार पर कम उत्तरदायी मानना अनुचित होगा। दूसरी ओर, अनिवार्य उपस्थिति उच्च होने पर भी आलोचनात्मक समझ सीमित रह सकती है।

स्वचयन एक महत्वपूर्ण पद्धतिगत समस्या है। पहले से सामाजिक रूप से सक्रिय विद्यार्थी सेवा गतिविधि चुन सकते हैं। इसलिए कार्यक्रम के बाद उच्च स्कोर को पूरा प्रशिक्षण प्रभाव मानना उचित नहीं होगा। पूर्व अनुभव और प्रारंभिक स्तर का मापन इस समस्या को समझने में सहायता कर सकता है।

सामुदायिक सेवा में शक्ति संबंधों पर भी विचार आवश्यक है। परियोजना यदि केवल महाविद्यालय की प्राथमिकताओं से तय हो, तो समुदाय की वास्तविक आवश्यकता पीछे रह सकती है। विद्यार्थियों को सहायता देने वाले और समुदाय को सहायता लेने वाले स्थिर समूहों में बाँटना साझेदारी की भावना सीमित कर सकता है। इस समीक्षा की शैक्षिक निष्पत्ति है कि स्थानीय ज्ञान को निर्णय प्रक्रिया में सम्मानपूर्वक शामिल किया जाए।

चिंतन का उद्देश्य स्वयं की प्रशंसा करना नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को यह भी लिखना चाहिए कि उनकी प्रारंभिक धारणा कहाँ गलत थी, किन सुझावों को अपनाया गया और परियोजना की सीमाएँ क्या रहीं। ऐसी समीक्षा अनुभव को अधिक विवेकपूर्ण नागरिक समझ से जोड़ सकती है।

कार्यक्रम निर्माण के लिए सुझाव

कार्यक्रम की शुरुआत समुदाय के साथ आवश्यकता निर्धारण से हो। समस्या का चयन करने से पहले संबंधित व्यक्तियों की प्राथमिकताएँ, उपलब्ध संसाधन और अपेक्षित परिणाम समझे जाएँ। परियोजना का दायरा समय तथा क्षमता के अनुरूप रखा जाए।

अधिगम उद्देश्य स्पष्ट हों। गतिविधि से कौन-सा विषयगत ज्ञान लागू होगा, कौन-सी सहभागिता क्षमता विकसित करनी है और समुदाय के लिए क्या उपयोगिता अपेक्षित है—इन प्रश्नों के उत्तर पहले तय किए जाएँ। कार्य समाप्त होने पर उन्हीं उद्देश्यों के आधार पर समीक्षा हो।

चिंतन गतिविधि से पहले, दौरान और बाद में कराया जा सकता है। प्रारंभिक चिंतन अपेक्षाओं और पूर्वधारणाओं पर केंद्रित हो। मध्यावधि समीक्षा कठिनाइयों तथा आवश्यक बदलाव पहचानने में सहायता करे। अंतिम चिंतन अनुभव को व्यापक सामाजिक प्रश्नों से जोड़े।

विद्यार्थियों के लिए अवसर सुलभ बनाए जाएँ। दिव्यांगता, आर्थिक स्थिति, पारिवारिक दायित्व या यात्रा की कठिनाई को ध्यान में रखकर तुलनीय कार्य विकल्प दिए जा सकते हैं। मूल्यांकन का आधार कार्य की गुणवत्ता और अधिगम हो, केवल उपस्थिति नहीं।

मूल्यांकन की प्रस्तावित रूपरेखा

नागरिक उत्तरदायित्व के मूल्यांकन में अनेक स्रोतों का उपयोग अधिक व्यापक चित्र प्रदान करेगा। नीचे दी गई रूपरेखा प्रस्तावित है; यह मानकीकृत उपकरण नहीं है।

आयाम	अपेक्षित प्रमाण	संभावित माध्यम
सामाजिक समझ	समस्या के कारण और संदर्भ की व्याख्या	लिखित विश्लेषण
नागरिक अभिवृत्ति	सार्वजनिक हित और उत्तरदायित्व संबंधी विश्वास	सत्यापित प्रश्नावली
सहभागिता	सौंपे गए कार्य और सहयोग का विवरण	गतिविधि अभिलेख
आलोचनात्मक चिंतन	पूर्वधारणाओं तथा सीमाओं की समीक्षा	चिंतनात्मक टिप्पणी
पारस्परिकता	समुदाय के सुझावों को अपनाना	साझेदार की प्रतिक्रिया
सामुदायिक उपयोगिता	कार्य की प्रासंगिकता और उपयोग	संयुक्त समीक्षा

समुदाय की प्रतिक्रिया लेने की प्रक्रिया सरल और सम्मानपूर्ण होनी चाहिए। व्यक्तिगत सूचनाओं तथा तस्वीरों का उपयोग संबंधित व्यक्तियों की सहमति के अनुसार किया जाए। परियोजना के निष्कर्ष समुदाय के साथ समझने योग्य रूप में साझा किए जाएँ।

भविष्य के अनुसंधान की दिशा

भारतीय महाविद्यालयों में बहु-संस्थागत और अनुदैर्ध्य अध्ययन आवश्यक हैं। इनमें कार्यक्रम से पहले तथा बाद में नागरिक अभिवृत्ति, व्यवहार और सामाजिक समझ का अलग मापन हो। तुलना समूह और पूर्व सहभागिता का समायोजन निष्कर्षों को मजबूत कर सकते हैं।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद अनुवर्ती मापन से परिवर्तन की स्थिरता समझी जा सकेगी। समुदाय के अनुभवों पर स्वतंत्र शोध भी आवश्यक है, क्योंकि विद्यार्थियों के सकारात्मक परिणाम सामुदायिक लाभ की स्वतः पुष्टि नहीं करते। प्रभाव आकार, विश्वास अंतराल, अनुपस्थित प्रतिक्रियाएँ और प्रतिभागियों के अध्ययन छोड़ने का विवरण पारदर्शी रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

अध्ययन की सीमाएँ

Vol. 15, Special Issue: 1, October 2026
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

यह समीक्षा 12 लक्षित प्रकाशनों तक सीमित है। अधिकांश साक्ष्य भारत से बाहर के हैं और चयन संपूर्ण साहित्य का प्रतिनिधित्व नहीं करता। कुछ संकलित परिणाम विभिन्न शैक्षिक स्तरों से संबंधित हैं। अलग परिभाषाओं, उपकरणों और कार्यक्रमों के कारण प्रत्यक्ष तुलना सीमित है। अध्ययन किसी नए महाविद्यालयीन नमूने में कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं करता।



निष्कर्ष

सामुदायिक सेवा अधिगम महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओं, सहयोग और सार्वजनिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की महत्वपूर्ण संभावना रखता है। उपलब्ध साहित्य नागरिक सहभागिता और संबंधित अधिगम परिणामों में सकारात्मक संबंध दर्शाता है। इसकी शैक्षिक गुणवत्ता समुदाय की भागीदारी, पाठ्यक्रम संबंध और आलोचनात्मक चिंतन पर निर्भर करती है। नागरिक उत्तरदायित्व की विश्वसनीय समझ के लिए अभिवृत्ति, व्यवहार, समुदाय की प्रतिक्रिया तथा दीर्घकालीन सहभागिता का संयुक्त मूल्यांकन आवश्यक है।

संदर्भ सूची

1. ब्रिंगल, आर. जी., एवं हैचर, जे. ए. (1995). संकाय सदस्यों के लिए सेवा अधिगम का पाठ्यक्रम। मिशिगन जर्नल ऑफ कम्युनिटी सर्विस लर्निंग, 2(1), 112–122.
2. वेस्टहाइमर, जे., एवं कान, जे. (2004). किस प्रकार का नागरिक? लोकतंत्र के लिए शिक्षा की राजनीति। अमेरिकन एजुकेशनल रिसर्च जर्नल, 41(2), 237–269. DOI: 10.3102/00028312041002237.
3. कोल्ब, डी. ए. (1984). अनुभवात्मक अधिगम: अधिगम और विकास के स्रोत के रूप में अनुभव। प्रेंटिस-हॉल।
4. मिशेल, टी. डी. (2008). पारंपरिक बनाम आलोचनात्मक सेवा अधिगम: दो प्रतिमानों में अंतर स्पष्ट करने के लिए साहित्य का विश्लेषण। मिशिगन जर्नल ऑफ कम्युनिटी सर्विस लर्निंग, 14(2), 50–65.
5. आइलर, जे., एवं जाइल्स, डी. ई., जूनियर. (1999). सेवा अधिगम में अधिगम कहाँ है? जोसी-बास।
6. एस्टिन, ए. डब्ल्यू., वोगेलगेसांग, एल. जे., इकेडा, ई. के., एवं यी, जे. ए. (2000). सेवा अधिगम विद्यार्थियों को किस प्रकार प्रभावित करता है। हायर एजुकेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिलिस।
7. कॉनवे, जे. एम., अमेल, ई. एल., एवं गेरविएन, डी. पी. (2009). सामाजिक संदर्भ में शिक्षण और अधिगम: सेवा अधिगम के अकादमिक, व्यक्तिगत, सामाजिक और नागरिकता संबंधी परिणामों का मेटा-विश्लेषण। टीचिंग ऑफ साइकोलॉजी, 36(4), 233–245. DOI: 10.1080/00986280903172969.
8. सेलियो, सी. आई., डर्लाक, जे., एवं डिम्निकी, ए. (2011). विद्यार्थियों पर सेवा अधिगम के प्रभाव का मेटा-विश्लेषण। जर्नल ऑफ एक्सपीरिएंशियल एजुकेशन, 34(2), 164–181. DOI: 10.1177/105382591103400205.
9. योरियो, पी. एल., एवं ये, एफ. (2012). अधिगम के सामाजिक, व्यक्तिगत और संज्ञानात्मक परिणामों पर सेवा अधिगम के प्रभावों का मेटा-विश्लेषण। एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट लर्निंग एंड एजुकेशन, 11(1), 9–27. DOI: 10.5465/amle.2010.0072.
10. ऐश, एस. एल., एवं क्लेटन, पी. एच. (2009). अधिगम का सृजन, गहनता और प्रलेखन: अनुप्रयुक्त अधिगम में आलोचनात्मक चिंतन की शक्ति। जर्नल ऑफ एप्लाइड लर्निंग इन हायर एजुकेशन, 1, 25–48.
11. ब्रैमर, एल. आर., एवं मॉर्टन, ए. (2014). पाठ्यक्रम-आधारित नागरिक सहभागिता: विद्यार्थियों के दृष्टिकोण और परिणामों की समझ। इंटरनेशनल जर्नल फॉर द स्कॉलरशिप ऑफ

Vol. 15, Special Issue: 1, October 2026
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

टीचिंग एंड लर्निंग, 8(1), लेख 9. DOI: 10.20429/ijsotl.2014.080109.

12. डूलिटल, ए., एवं फॉल, ए. सी. (2013). नागरिक सहभागिता मापनी: एक वैधीकरण अध्ययन। सेज ओपन, 3(3), 1–7. DOI: 10.1177/2158244013495542.